विषय-सूची

आमुख *iii*

1. परिचय **1**

1.1 समष्टि अर्थशास्त्र का उद्भव 4
1.2 समष्टि अर्थशास्त्र की वर्तमान पुस्तक का संदर्भ 5

2. राष्ट्रीय आय का लेखांकन **9**

2.1 समष्टि अर्थशास्त्र की कुछ मूलभूत संकल्पनाएँ 9
2.2 आय का वर्तुल प्रवाह और राष्ट्रीय आय गणना की विधि 16
2.2.1 उत्पाद अथवा मूल्यवर्धित विधि 18
2.2.2 व्यय विधि 23
2.2.3 आय विधि 24
2.3 कुछ समष्टि अर्थशास्त्रीय तादात्म्य 26
2.4 वस्तुएँ और कीमतें 28
2.5 सकल घरेलू उत्पाद और कल्याण 30

3. मुद्रा और बैंकिंग **37**

3.1 मुद्रा के कार्य 37
3.2 मुद्रा की माँग 38
3.2.1 संव्यवहार प्रयोजन 39
3.2.2 सट्टा उद्देश्य प्रयोजन 40
3.3 मुद्रा की पूर्ति 43
3.3.1 वैध परिभाषाएँ : संकुचित और व्यापक मुद्रा 43
3.3.2 बैंकिंग पद्धति द्वारा मुद्रा सृजन 44
3.3.3 मुद्रा नीति के उपकरण और भारतीय रिज़र्व बैंक 48

4. आय निर्धारण **55**

4.1 प्रत्याशित और यथार्थ 55
4.2 एक वक्र पर संचलन बनाम एक वक्र का शिफ्ट 58
4.3 उत्पाद बाज़ार का अल्पकालिक स्थिर कीमत विश्लेषण 60

4.3.1 समस्त माँग वक्र पर एक बिंदु 61
4.3.2 उत्पाद बाज़ार में संतुलन माँग पर स्वायत्त परिवर्तन का प्रभाव 61
4.3.3 गुणक यांत्रिकता 62

5. सरकार: कार्य और विषय-क्षेत्र 68

5.1 सरकारी बजट के घटक 69
5.1.1 राजस्व बजट 69
5.1.2 पूँजीगत बजट 71
5.1.3 सरकारी घाटे की माप 72
5.2 राजकोषीय नीति 74
5.2.1 सरकारी व्यय में परिवर्तन 75
5.2.2 करों में परिवर्तन 75
5.2.3 ऋण 80

6. खुली अर्थव्यवस्था : समष्टि अर्थशास्त्र 86

6.1 अदायगी-संतुलन 87
6.1.1 अदायगी-संतुलन आधिक्य और घाटा 88
6.2 विदेशी विनिमय बाज़ार 89
6.2.1 विनिमय दर का निर्धारण 90
6.2.2 नम्य विनिमय दरें 90
6.2.3 स्थिर विनिमय दरें 94
6.2.4 प्रबंधित तिरती 95
6.2.5 विनिमय दर प्रबंध: अंतर्राष्ट्रीय अनुभव 95
6.3 खुली अर्थव्यवस्था में आय का निर्धारण 99
6.3.1 खुली अर्थव्यवस्था के लिए राष्ट्रीय आय का तादात्म्य 100
6.3.2 संतुलन निर्गत और व्यापार शेष 102
6.4 व्यापार घाटा, बचत और निवेश 105

शब्दावली 111